A–0050

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BAHL (N)-120

पद्य साहित्य परिचय

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आदिकालीन पद्य साहित्य के स्वरूप का विश्लेषणात्मक अध्ययन कीजिए।

2. महाकाव्य तथा खण्डकाव्य को उनकी सैद्धान्तिकी के संदर्भ में विस्तारपूर्वक विवेचित कीजिए।

3. कृष्णभक्ति काव्यधारा में 'अष्टछाप' की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसमें सम्मिलित कवियों के साहित्यिक योगदान को रेखांकित कीजिए।

4. हिंदी के विकास में द्विवेदी युग के महत्व को स्पष्ट करते हुए इस युग की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

5. नई कविता साहित्य में किन दृष्टियों से महत्वपूर्ण है ? विवेचना कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नवधा भक्ति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

2. सूफी मत को स्पष्ट करते हुए इसकी साधना की विविन्न अवस्थाओं पर प्रकाश डालिए।

3. दो प्रमुख भारतीय महाकाव्यों का परिचय दीजिए।

4. हिंदी के विकास में 'सरस्वती' पत्रिका के योगदान को रेखांकित कीजिए।

5. 'साकेत' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

6. मुक्त छंद की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

7. स्वातंत्र्योतरकालीन साहित्य के प्रमुख कविता आंदोलनों का नामोल्लेख कीजिए।

8. 'प्रगतिशील लेखक संघ' का परिचय दीजिए।

****